श्री रामगोपाल यादव: मैडम, एक व्यवस्था का प्रश्न है।

उपसभापति: क्या व्यवस्था का प्रश्न है?

(व्यवधान)

श्री रामगोपाल यादव: मैडम, आपने मेरा नाम लिया, मुझे अनुमति दी।

उपसभापति: अभी बुलाते हैं। नाम लिया है तो हमने कुछ गुनाह नहीं किया, अच्छा काम किया। कोई एक्स-एम०एल०ए०, सिटिंग कारपोरेटर की हत्या हुई है, उसके बारे में बोल रहे हैं। मैं वैसे एलाऊ नहीं करती हूं जिस दिन कालिंग अटेंशन होता है मगर सीरियस मैटर है That is why I am allowing him.

REFERENCES

Re: Murder of Corporator of Bombay Municipal Corporation

श्री प्रमोद महाजन (महाराष्ट्र): उपसभापति महोदया, आज सुबह मुंबई के भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व विधायक श्री रामदास नायक की उनके घर के सामने कुछ अज्ञात लोगों ने हत्या कर डाली। रामदास नायक, ये बांद्रा से एक बार विधायक चुने गए थे और वह उसी क्षेत्र से दो बार कारपोरेटर चुने गए हैं और इस समय भी वे मुंबई महानगर पालिका में नगर सेवक के रूप में काम कर रहे थे। भ्रष्टाचार के खिलाफ निरंतर लड़ाई लड़ना इनका काम था। अंतुले केस इन्होंने ही चलाया था। ऐसे भ्रष्टाचार के विरोध में जिहाद करने वाले, राजनीति का अपराधीकरण हो रहा है, उसके खिलाफ लड़ने वाले ऐसे व्यक्ति की आज मुंबई में सुबह हत्या कर दी गई है। इस हत्या के पीछे कौन है, मैं नहीं जानता। लेकिन गत वर्ष, डेढ़ वर्ष में मुंबई शिकागो की भांति व्यवहार कर रहा है। भारतीय जनता पार्टी के प्रेम शर्मा की कुछ महीने पहले हत्या हुई। आज तक पता नहीं चला। शिवसेना के दो विधायक श्री विट्ठल चव्हाण और रमेश मोरे, इन की हत्या हुई, इनमें से किसी की हत्या का आज तक पता नहीं चला। कम से कम मुंबई नगर महापालिका के 6 कारपोरेटर, नगर-सेवकों की हत्या हुई, इनमें से किसी का पता नहीं चला। इस से लगता यह है कि एक विशेष दल से संबंधित या भ्रष्टाचार और अपराधीकरण के खिलाफ जो भी राजनीतिक नेता लड़ रहे हैं, इन राजनेताओं की मुंबई में निरंतर हत्या की जा रही है, हर दो तीन महीने बाद इस प्रकार के महत्वपूर्ण व्यक्तियों की हत्याएं हो रही हैं। आप स्वयं मुंबई से आती हैं, आप स्वयं रामदास नायक को जानती हैं। ऐसी स्थिति में इस प्रकार की हत्याएं होंगी तो किसी भी राजनीतिक नेता का मुंबई में काम करना और भ्रष्टाचार और अपराधीकरण के खिलाफ आवाज़ उठाना मानो गुनाह हो गया है। ऐसी स्थिति आ गई है कि ये जो भ्रष्टाचार और अपराधीकरण करते हैं, उन को तो कुछ नहीं करते, लेकिन उनके खिलाफ लड़ने वाले राजनीतिक नेताओं की हत्या का सिलसिला चलेगा तो मुझे पता नहीं यह कहां जाकर रुकेगा। इसलिए, गृह मंत्री जी यहां पर उपस्थित हैं, उनको केन्द्रीय सरकार की ओर से और महाराष्ट्र सरकार की ओर से सामान्य लोगों की सुरक्षा करना आवश्यक है, अत्यावश्यक है, वह उनका अपना परम कर्तव्य है, लेकिन उस के साथ-साथ जो कार्पोरेटर हैं, एम०एल०ए० हैं, एम०पी० हैं—तीन एम०एल०ए० और 6 कार्पोरेटरों की हत्या हो चुकी है, इसलिए मुझे लगता है कि यह बड़ा गंभीर मामला है, महाराष्ट्र सरकार को केन्द्रीय सरकार से जितनी मदद लेनी चाहिए नहीं ले रही है, इसलिए ऐसा नियोजन किया जाए जिस से इस प्रकार की हत्याओं पर रोक लगाने की व्यवस्था हो सके। यही मेरी आप से विशेष रूप से प्रार्थना है।

SHRI VIREN J. SHAH (Maharasthra): Madam, I associate myself with it.

डा० बापू कालदाते (महाराष्ट्र): महोदया, मैं रामदास जी को बहुत सालों से जानता हूं। मुझे इस बात का बहुत दुख है कि हमारे एक मित्र जिन से हमारा राजनीतिक विरोध हो सकता है, लेकिन जिस ढंग से वह काम करते थे, इससे आज हम को चोट और गहरा धक्का लगा जैसे घर का कोई भाई हम खो बैठे हैं। मैं इसलिए यहां खड़ा हूं कि यह हालत महाराष्ट्र में होना अच्छी बात नहीं है। कोई भी सामाजिक कार्यकर्ता किसी भी राजनीतिक दल का हो, वह आपस में विरोध करें तो इस हद तक जाना कि उसकी हत्या कर दी जाए, इतना अंधकारमय या अनिश्चित उस का भविष्य हो जाए कि वह अपना जो कुछ काम करें वह खुले ढंग से न करे तो सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए काम करना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए मेरा गृह मंत्री जी से अनुरोध है कि वह गुनाहगार लोगों को तुरन्त गिरफ्तार करने का प्रयास करें और जितने भी सामाजिक कार्यकर्ता हैं उनकी सुरक्षा का प्रबंध ठीक ढंग से हो, इस दिशा में केन्द्रीय सरकार और महाराष्ट्र सरकार दोनों को मिलकर प्रयास करना चाहिए, यही मेरी आप से प्रार्थना है।

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Madam... (Interruptions)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I understand that the whole House associates itself with it—on the killing of a sitting Corporator. I know Mr. Ram Das personally for the last 20 years. I am also very aggrieved at his killing. There is no point in having acrimony on it. There is no question of anybody disagreeing that it is a heinous crime. So, let the Home Minister speak.

श्री सतीश प्रधान: महोदया, यह दुर्घटना जो हुई है उस पर हमें दुख है, लेकिन एक बात मैं और इस सदन के माध्यम से और आपके माध्यम से होम मिनिस्टर साहब को बताना चाहता हूं कि महाराष्ट्र सरकार ने हमारे सांसदों और नगर सेवकों को या एम०एल०ए० को उन की सुरक्षा के लिए गार्ड्स दिए हैं। मैं बता रहा हूं कि वे कैसे हैं कि मैं उनको गार्ड कर रहा हूं या वे मेरे गार्ड हैं, मुझे समझा दीजिए। उनके जो गार्ड थे वह मारे गए और वह भी इस ढंग से? वह खुद की सुरक्षा नहीं कर सके। क्या ऐसी व्यवस्था ठीक है? इस तरह का कुछ बंदोबस्त करना चाहिए जिससे कि वह सही रूप से सुरक्षा कर सकें।

SHRI VIREN J. SHAH: Madam...*(Interruptions)*...

SHRI CHIMANBHAI MEHTA (Gujarat) Madam...*(Interruptions)*...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Home Minister Saheb, you please speak...*(Interruptions)*...

SHRI CHIMANBHAI MEHTA: Madam...*(Interruptions)*...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I know. But when I say from the Chair, I speak on behalf of the House also. So, please sit down...*(Interruptions)*... Mr. Mehta, don't turn it into an acrimony. Let me hear the Home Minister. It is a serious matter. Please sit down... *(Interruptions)*... I say, please sit down.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S.B. CHAVAN): Madam, it is a very unfortunate incident that has taken place in the morning. I knew Ramdas Naik very well, and the kind of crusade that he was having against all the corrupt politicians and officers. In that context, might be, certain things must have happened, and I cannot possibly say because ultimately it is a matter of investigation. If I were to say something, it should not affect the investigation part of it, and that is why I would like to refrain from passing any remarks at this stage. But the situation is definitely not very happy. If the Corporators and also MLAs get killed like this, it will create a sense of insecurity among the people. I will specially write to the Chief Minister of Maharashtra and I will ask him, and if he is prepared, I have no objection even in ordering an enquiry from the CBI. But, ultimately, it is for the Maharashtra Government. If they are prepared to conduct the enquiry themselves, certainly I have no objection. They will be able to do the job properly. At least, I have no doubt about it. But, for any reasons, if he feels that the Government of India's assistance is also called for, we are prepared to give them any assistance that would be called for. But, it is a very unfortunate incident. and I agree with my friends, Mr. Mahajan, that a sense of security has to be created in the Bombay city specially, and wherever such conditions are obtaining in Maharashtra, they need to be looked after by the Chief Minister. I will specially write to him..

THE DEPUTY CHAIRMAN.. Thank you. Now, the Calling Attention...

Re: Misbehaviour with M.Ps.

श्री राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश): मेरा व्यवस्था का प्रश्न है...

उपसभापति: आपका क्या वयवधान का प्रश्न है? वैसे एक बात से कि मैं आपको बताऊ कि व्यवस्था का प्रश्न तब उठता है अगर कोई डिसक्सन हो। अभी कोई डिसक्शन नहीं हो रही है तो व्यवस्था का प्रश्न उठाने का सवाल नहीं होता। **(व्यवधान)**

श्री राम गोपाल यादव: मेरी बात तो सुन लीजिये। इतनी देर में तो मैं अपनी बात कह देता। **(व्यवधान)**

उपसभापति: यह सवाल नहीं है कि आप कितनी देर में कहेंगे I have to follow the rules. You cannot say that. Don't tell me that.